अनुक्रमणिका

अ नु क्र म णि का

प्राक्कथन

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - अब्दुल बिस्मिल्लाह : व्यक्तित्व एवं कृतित्व 1 - 18

1.1 व्यक्ति-परिचय

1.1.1 जन्म-तिथि तथा जन्म-स्थान

1.1.2 माता-पिता

1.1.3 परिवार

1.1.4 बचपन

1.1.5 शिक्षा

1.1.6 नौकरी

1.1.7 विवाह

1.1.8 मित्र-मंडली

1.1.9 बनारस से दिल्ली आना

1.1.10 आंदोलनों में सहभाग

1.2 व्यक्तित्व की विशेषताएँ

1.2.1 रहन-सहन

1.2.2 मेधावी छात्र

1.2.3 कर्मशील जीवन

1.2.4 अध्ययनशील

1.2.5 स्वाभिमानी

1.2.6 भावुक

1.2.7 संवेदनशील

1.2.8 संघर्ष की जिंदगी

1.2.9 प्रगतिशील एवं मार्क्सवादी विचारधारा से प्रभावित

1.2.10 युवकों के प्रेरणा स्रोत

1.2.11 बुनकरों के प्रति आस्थावान

1.2.12 संपादक एवं संस्थापक

1.3 कृतित्व अर्थात अब्दुल बिस्मिल्लाह की साहित्य-यात्रा

1.3.1 उपन्यास साहित्य

1.3.2 कहानी-संग्रह

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

1.3.3 बाल-साहित्य
1.3.4 नाटक
1.3.5 कविता-संग्रह
1.3.6 लोक-साहित्य
1.3.7 आलोचना-पुस्तक

1.4 पुरस्कार एवं सम्मान

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - अब्दुल बिस्मिल्लाह के उपन्यासों का विषयगत विवेचन :

2.1 प्रास्ताविक 19 - 42

2.2.1 समर शेष है
2.2.2 झीनी-झीनी बीनी चदरिया
2.2.3 जहरबाद
2.2.4 दंतकथा
2.2.5 मुखड़ा क्या देखे

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - विवेच्य उपन्यासों में संघर्ष-चेतना 43 - 66

3.1 प्रास्ताविक
3.2 संघर्ष शब्द का अर्थ
3.3 संघर्ष शब्द की परिभाषा
3.4 संघर्ष का स्वरूप
3.5 चेतना शब्द का अर्थ
3.5.1 चेतना शब्द की परिभाषा
3.5.2 चेतना का स्वरूप
3.5.2.1 'दर्शन' के क्षेत्र में चेतना का स्वरूप
3.5.2.2 'मनोविज्ञान' के क्षेत्र में चेतना का स्वरूप

3.6 संघर्ष-चेतना की परिभाषा
3.6.1 संघर्ष-चेतना का स्वरूप

3.7 विवेच्य उपन्यासों में प्राप्त संघर्ष-चेतना
3.7.1 मजदूरों में संघर्ष-चेतना

3.7.2 युवाओं में संघर्ष-चेतना
3.7.3 नारियों में संघर्ष-चेतना
3.7.4 एक ही धर्म के दो पंथियों में संघर्ष-चेतना
3.7.5 जमीनदारों में संघर्ष-चेतना
3.7.6 पर्दा प्रथा से संबंधित संघर्ष-चेतना
3.7.7 अन्याय के विरूध्द संघर्ष-चेतना
3.7.8 किसानों में संघर्ष-चेतना
3.7.9 मानसिक संघर्ष-चेतना
3.7.10 पिता के प्रति पुत्र में संघर्ष-चेतना
3.7.11 विद्यार्थियों में संघर्ष-चेतना

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - विवेच्य उपन्यासों में मुस्लिम जीवन-संघर्ष 67 - 103

4.1 मुस्लिम जीवन-संघर्ष की पृष्ठभूमि

4.1.1 मुस्लिमों का हिंदुस्तान में आगमन
4.1.2 मुगल सल्तनत
4.1.3 अंग्रेजी राज
4.1.4 आजादी की प्राप्ति
4.1.5 देश-विभाजन की त्रासदी और मुस्लिम जीवन-संघर्ष

4.2 विवेच्य उपन्यासों में प्राप्त संघर्ष

4.2.1 धार्मिक एवं सांप्रदायिक संघर्ष
4.2.2 अधिकार के लिए संघर्ष
4.2.3 अस्तित्व के लिए संघर्ष
4.2.4 अर्थार्जन हेतु संघर्ष
4.2.5 अन्याय के विरूद्ध संघर्ष
4.2.6 आपसी संघर्ष
4.2.7 तलाक पीड़ित महिला का संघर्ष
4.2.8 नयी पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी में संघर्ष
4.2.9 अकाल पीड़ितों का संघर्ष
4.2.10 शैक्षिक संघर्ष
4.2.11 प्रादेशिक संघर्ष

निष्कर्ष

पंचम अध्याय - विवेच्य उपन्यासों में संघर्ष-चेतना के विविध आयाम

5.1	**प्रास्ताविक**	104 -128
5.1.1	अर्थ से संबंधित संघर्ष-चेतना	
5.1.2	समाज से संबंधित संघर्ष-चेतना	
5.1.3	धर्म से संबंधित संघर्ष-चेतना	
5.1.4	राजनीति से संबंधित संघर्ष-चेतना	
5.1.5	जिंदगी से संबंधित संघर्ष-चेतना	
5.1.6	मजदूर मालिकों में संघर्ष-चेतना	
5.1.7	शिक्षा से संबंधित संघर्ष-चेतना	
5.1.8	संप्रदाय से संबंधित संघर्ष-चेतना	
5.1.9	अंतर्जातीय संघर्ष-चेतना	
5.1.10	अधिकार से संबंधित संघर्ष-चेतना	
5.1.11	शोषण के खिलाफ संघर्ष-चेतना	
5.1.12	व्यक्तिगत संघर्ष-चेतना	
	निष्कर्ष	
	उपसंहार	129-133
	परिशिष्ट	134-148
	संदर्भ ग्रंथ-सूची	149 -157